





[illegible]



[illegible]



*[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.]*



[illegible]



[illegible]







*[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.]*



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]

[illegible]



[illegible]





[illegible]





*[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise.]*

७। ...। सेमसउव सुपयव प्रमयेस सुमयेदे।। दमे वरिष्ठ वदे पद सेमसउव प्रमसउद दद सुवमेद वर सुदरे।। सदन क्रुम गृहिरु सेमसउव ह सुद पदे पदे दग प्रमसउद सुद म विर दम पदे के स गठ ग प गठ ग सुवेद  
पर जे ग जे ग उ स सुवेद पम पदे व स सो।। दे प्रर सुवेद पम पदे व स सुवेद म अदे व वर सदन क्रुम पव।। विर दमे सेमसउव ह सुद पदे पदे प्रमसउद सुद म विर के स गृहिरु म सु वर सुदरे।। ग विर पद र ग स गृहिरु सुद कुव सेमस  
द प र सेमस द प र के व ये स सुद प म पद स प के व ये प व व द व प्रे द प र ग सुव सुदे प पद र ग प र ह ग स प र सुद कुव गृहिरु सेमसउव सुप य व के ग सुव के ग म पदे स सु सुदेदे।। दमे वरिष्ठ वदे पद सेमसउव प्रमसउद  
दद सुवमेद वर सुदरे।। सदन क्रुम गृहिरु स ग विरु प म स प म विरु सु म सु म प म स ग म दद गृहिरु म प म सुवेद स प र के र म सुदेदे।। सेमसउव सुव प सेमस म सु म वर सुद उ ग ठे स सुवेद पम पदे व स सो।। सुवेद  
पम पदे व स सुवेद म पदे स प र सु म अदे व वर सदन क्रुम पव।। विर दमे स ग विरु प म स प म विरु सु म सु म प म स ग म दद गृहिरु म प म सुवेद स प र के र म सुदेदे।। सेमसउव ह सुद पदे पदे दग प्रमसउद सेमस म सु म  
वर सुदरे।। ग विर पद र ग स गृहिरु सुद कुव सेमस द प र सेमस द प र के व ये स सुद प म पद स प के व ये प व व द व प्रे द प र ग सुव सुदे प पद र ग प र ह ग स प र सुद कुव गृहिरु सेमसउव सुप य व के ग सुव के ग म पदे स सु सुदेदे।। दमे वरिष्ठ वदे पद सेमसउव प्रमसउद दद सुवमेद वर सुदरे।। सदन क्रुम गृहिरु सेमसउव ह सुद पदे पदे दग प्रमसउद सेमस म सु म  
पम पदे व स सुवेद म पदे स प र सु म अदे व वर सदन क्रुम पव।। विर दमे स ग विरु प म स प म विरु सु म सु म प म स ग म दद गृहिरु म प म सुवेद स प र के र म सुदेदे।। सेमसउव ह सुद पदे पदे दग प्रमसउद सेमस म सु म  
वर सुदरे।। ग विर पद र ग स गृहिरु सुद कुव सेमस द प र सेमस द प र के व ये स



[illegible]

[illegible]



[illegible]





[illegible]

[illegible]



[illegible]





[illegible]

101. . . . .



[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]









[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]





[illegible]





1  
[The text is a dense, handwritten manuscript in a historical script, likely Tibetan. It is written in a single column across approximately 12 lines. The script is highly stylized and compact. The paper is aged and shows signs of wear, including a large tear on the left side and some discoloration. The text appears to be a religious or philosophical treatise, given the context of such manuscripts. The characters are finely etched into the paper, typical of traditional East Asian writing methods.]



[illegible]



[illegible]

[illegible]



25

25  
 1. *[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to the poor condition of the manuscript. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to the 'Sūtra' mentioned in the header. The script is likely a form of Indic script, such as Devanagari or Grantha.]*



*[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the liturgical or philosophical text found in the other pages.]*







[illegible]